ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-6* September-2021
Anthology : The Research

स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन

A Study of the Personality Traits of Different Classes of Teachers Working in Self-financing Institutions in the Context of Socio-Economic Status

Paper Submission: 15/09/2021, Date of Acceptance: 27/09/2021, Date of Publication: 28/09/2021

सरन प्रसाद
सहायक आचार्य,
शिक्षाशास्त्र विभाग,
हरियाणा केंद्रीय
विश्वविद्यालय,
हरियाणा, भारत

सारांश

स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण स्थान है, व्यक्तित्व शीलगुणों के मध्यम से वह छात्रों के सर्वांगीण विकास कर सकता है अगर शिक्षक मन से सन्तुष्ट नहीं है तो उसका असर उसके व्यक्तित्व शीलगुणों पर दिखाई देगा। अतः यह शोध अध्ययन स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत कला, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा एवं अभियांत्रिकी वर्गों में कार्यरत शिक्षकों तक सीमित है।

Personality qualities of teachers of different classes working in self-financed institutions have an important place in the perspective of socio-economic level, through personality traits, they can do all round development of students. . Therefore, this research study is limited to teachers working in arts, science, commerce, education and engineering classes working in self-financing institutions.

मुख्य शब्दः समाज, अध्यापक, सामाजिक आर्थिक स्तर.
Society, Teacher, Socioeconomic Level.

प्रस्तावना

समाज में अध्यापक का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है वह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को वैदिक परंपरा एवं तकनीकी कौशल पहुँचाने का केंद्र है तथा सभ्यता के प्रकाश को प्रज्वलित रखने में सहायता देता है इसलिए अध्यापक को समाज एवं राष्ट्र का निर्माता भी कहा गया है ऐसे शिक्षकों का राष्ट्रीय अपेक्षा की पूर्ति में महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि इन संस्थाओं का संबंध छात्रों के सर्वांगीण विकास से संबंधित है वस्तुतः शिक्षण संस्थाओं का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में नवीन तथ्यों से संबंधित ज्ञान विशिष्ट, कौशल एवं विशिष्ट अभिवृत्तियों का विकास करना है जिससे वह भावी जीवन में शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकें, शिक्षकों में व्यक्तित्व शील गुणों के न होने पर शिक्षा की सभी योजनाएं मात्र काल्पनिक रह जायेंगी।

भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत केन्द्र एवं राज्य सरकार के द्वारा ही शिक्षण संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्राप्त करके शिक्षा उपलब्ध कराने का कार्य किया जाता था, यही कारण था कि महाविद्यालय स्तर पर छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए मात्र वित्तीय पोषित शिक्षण संस्थायें उपलब्ध थी किन्तु वर्ष 1987 से उच्च शिक्षा को पर्याप्त संसाधनों का उचित आवंटन न मिलने के कारण स्ववित्तपोषित संस्थाओं को बहुतायत में खोला गया है निष्कतः आज वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित शिक्षण संस्थायें उपलब्ध है,किन्तु एक ओर जहाँ स्ववित्तपोषित संस्थाओं में छात्रों की तुलना में शिक्षकों का अभाव, कार्यभार की

अधिकता, शिक्षण संस्थाओं की अस्थाई मान्यता,टी.ए., डी.ए. सी.पी.एफ., जी.पी.एफ.,ग्रेच्युटी, पेंशन, यू.जी.सी. वेतनमान का आभाव, शिक्षकों की नियुक्ति में विश्वविद्यालयों के नियमों की अवहेलना समृद्धपुस्तकों का न होना, अपूर्ण भवन,पर्याप्त फर्नीचर, प्रयोगशाला, क्रीडांगण, शिक्षण उपकरणों का अभाव एवं व्यवसायिक पदोन्नति का अवसर प्राप्त न होना उनके प्रकार की संस्थायें दृष्टिगोचर होती हैं, वही सरकार द्वारा अनुदानित होने के कारण वित्तपोषित संस्थाओं में उपर्युक्त किसी भी प्रकार की समस्या नहीं पाई जाती हैं।

वस्तुतः एक ओर जहाँ वित्तपोषित संस्थायें सरकार द्वारा अनुदानित होने के कारण सभी प्रकार की सुविधाओं से युक्त हैं, वही स्ववित्तपोषित संस्थाओं में पर्याप्त सुविधाओं का अभाव पाया जाता है, इसका सीधा प्रभाव शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों पर दिखाई देता है।

यदि शिक्षक मन से अप्रसन्न है तो उनके मन में प्रत्येक वस्तु के प्रति तिरस्कार करने का भाव उत्पन्न हो जाता है, यही कारण है कि अकर्मण्य, अप्रसन्न, आलसी और नीरूत्साहित होकर शिक्षक कार्यरतसंस्था में अपना समायोजन नहीं कर पाते हैं, इसके विपरीत यदि शिक्षक के मन में प्रसन्नता का भाव है तो वह संतोषी कर्मठ, प्रसन्नताचित्त, लगनशील होंगे तथा उनकी शिक्षा के प्रति सकारात्मक धारणा होगी।

अध्ययन का उद्देश्य

1. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान,वाणिज्य,शिक्षा एवंअभियांत्रिकी वर्ग की शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में तुलना करना।
2. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान,वाणिज्य,शिक्षा एवंअभियांत्रिकी वर्ग के महिला एवं पुरुष शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में तुलना करना।
3. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान,वाणिज्य,शिक्षा एवंअभियांत्रिकी आदि वर्गों के शिक्षकों के 16 व्यक्तित्व कारकों के योग के परिप्रेक्ष्यमें तुलना करना।

साहित्यावलोकन

संबंधित शोध सर्वेक्षण द्वारा विभिन्न शोध अध्ययनों से ज्ञात हुआ कि जो शिक्षक सरकार द्वारा अनुदानित अनेक संसाधनों से युक्त संस्थाओं में कार्यरत हैं, उनकी व्यवसाय से संबंधित कार्यक्षमताओं एवंकृत्य संतोष के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया इसकी पुष्टि जिंक रेंज 2002, एलिमी 2004,पेचीको 2002,डीवेलोन्टनो 2005, आदि के अध्ययनों से हुई है इसी क्रम में टाल बैल 2005, कुमार 2002, उपाध्याय 2002, मित्तल 2007, शर्मा 2006, नायक 2006, वेंकटस्वामी1996, आदि के शोध अध्ययन उसे पता चला कि शिक्षण व्यवसाय में सक्रिय रूप से कार्य करने में कृत्य संतोष का एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में कार्य करता है।शोध अध्ययनों में दी गई व्यक्तित्व संबंधी विशेषतायें(शीलगुण) शिक्षक को प्रभावी बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, यही कारण है कि स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं जैसे - शिक्षण अभिवृत्ति, कृत्यसंतोष, समायोजन एवं व्यवसायिक रुचियों आदि में लिंग योग्यता, अनुभव एवं सामाजिक आर्थिक स्तर आदि के परिपेक्ष में कोई सार्थक अंतर एवं सार्थक संबंध ज्ञात करने हेतु अनुसंधानकर्ता का यह एक प्रयास है।

समस्या कथन

स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों कासामाजिक आर्थिक स्तरके परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन।

परिकल्पना

1. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान,वाणिज्य,शिक्षा एवंअभियांत्रिकी वर्ग की शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में सार्थक अन्तर नहीं है।
2. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान,वाणिज्य,शिक्षा एवंअभियांत्रिकी वर्ग के महिला एवं पुरुष शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का सामाजिक आर्थिक स्तर के परिप्रेक्ष्य में सार्थक

अन्तर नहीं है।

3. स्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा एवं अभियांत्रिकी आदि वर्गों के शिक्षकों के 16 व्यक्तित्व कारकों के योग के परिप्रेक्ष्यमें सार्थक अन्तर नहीं है।

परिसीमन

प्रस्तुत अध्ययन आगरा जिले के डॉ.भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय से संबद्धस्ववित्तपोषित संस्थाओं के कला,विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा एवं अभियांत्रिकी वर्गमें कार्यरत शिक्षकों तक सीमित था।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में डॉ.भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय से संबद्धस्ववित्तपोषित संस्थाओं के शिक्षक है। कुल जनसंख्या लगभग 1500 है।स्ववित्तपोषित संस्थाओं का चयन बहुस्तरीयन्यादर्श प्रतिचयन विधि से किया गया है। इस हेतु प्रथम स्तर पर 51 स्ववित्तपोषित संस्थाओं का चयन यादृच्छिकप्रतिचयन व्यवस्थितन्यादर्श विधि से किया गया है।द्वितीय स्तर पर 500 स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत शिक्षकों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन की पुनः व्यवस्थित न्यादर्श विधि से किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत शोध में निम्न उपकरणों का प्रयोग किया गया है:-

1. शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के मापन हेतु हिंदी रूपांतरण एस.डी. कपूर एवं श्रीवास्तव द्वारा निर्मित व्यक्तित्व शीलगुण प्रश्नावली (16PF) का प्रयोग किया गया है।
2. शिक्षकों के सामाजिक आर्थिक स्तर के मापन हेतु प्रो.आर.ए. सिंह व प्रो.एस.के. सक्सेना द्वारा निर्मित सामाजिक आर्थिक मापनी का प्रयोग किया गया है।इस परीक्षण की विश्वसनीयता 0.93 है।

प्रदत्तों को विश्लेषण

सारणी – 1

स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विभिन्न वर्गों के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों के प्रदत्तों से सम्बन्धित मध्यमान टी-अनुपात मान/चरम अनुपात मान के क्रम में सार्थकता –

विभिन्न वर्ग / व्यक्तित्व कारक	सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च कला वर्ग एवं निम्नकला वर्ग शिक्षक N = 46/46			सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च विज्ञान वर्ग एवं निम्नविज्ञान वर्ग शिक्षक N = 21/21			सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च वाणिज्य वर्ग एवं निम्न वाणिज्य वर्ग शिक्षक N = 11/11			सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च शिक्षा वर्ग एवं निम्नशिक्षा वर्ग शिक्षक N = 33/33			सामाजिक-आ स्तर से उच्च अभि वर्ग एवं अभियांत्रिकी शिक्षक N = 24/2	
	M. D	C. R	P .05/. 01	M. D	t	P .05/. 01	M. D	t	P .05/. 01	M. D	C. R	P .05/. 01	M. D	t
A	0.08	3.46	<0.01	0.22	2.32	<0.05	0.14	0.85	<0.05	0.14	10.6	<0.05	0.11	1.62
B	0.18	0.51	>0.05	0.32	0.50	>00.5	0.35	1.83	>0.05	0.30	0.05	>0.05	0.29	0.69
C	0.14	1.18	<0.05	0.16	2.87	<0.01	0.17	3.52	>0.05	0.14	2.31	<0.05	0.19	0.48
E	0.12	1.70	<0.05	0.19	2.91	<0.01	0.37	1.20	<0.01	0.19	3.96	<0.01	0.20	1.85
F	0.13	2.93	<0.01	0.21	1.97	<0.05	0.68	0.77	<0.05	0.30	1.60	<0.05	0.16	0.25
G	0.05	0.10	>0.05	0.07	0.35	>0.05	0.23	0.76	>0.05	0.08	0.74	<0.05	0.14	0.11
H	0.12	0.49	<0.01	0.27	1.82	>0.05	0.60	1.88	<0.05	0.16	1.97	<0.05	0.07	1.83

I	0.06	2.72	<0.01	0.22	0.80	<0.05	0.58	1.07	<0.05	0.12	0.35	<0.05	0.21	2.65
L	0.12	0.99	<0.01	0.15	1.22	<0.05	0.59	0.35	<0.05	0.15	1.33	<0.05	0.13	1.62
M	0.14	2.11	<0.01	0.30	0.94	<0.05	0.29	1.01	>0.05	0.16	3.53	<0.01	0.18	4.11
N	0.07	0.67	>0.05	0.12	0.13	<0.05	0.16	0.92	<0.05	0.12	0.51	>0.05	0.15	0.10
O	0.21	1.88	<0.01	0.34	1.06	<0.05	0.54	1.61	>0.05	0.21	0.65	<0.05	0.34	2.06
Q_1	0.09	3.02	<0.01	0.17	1.86	<0.05	0.20	1.61	<0.05	0.10	0.88	>0.05	0.14	0.66
Q_2	0.08	0.07	>0.05	0.13	0.40	<0.05	0.18	2.60	<0.05	0.10	0.09	<0.05	0.14	3.02
Q_3	0.08	1.49	>0.05	0.07	0.87	>0.05	0.26	0.71	>0.05	0.06	1.50	<0.05	0.12	0.35
Q_4	0.16	2.38	<0.01	0.28	0.80	<0.05	0.31	0.82	>0.05	0.24	1.11	<0.05	0.19	20.8

तालिका संख्या-1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि **स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत कला वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त** शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंB,C, E, G,H,L,N, O, Q_2, Q_3के संदर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर0.18, 0.14, 0.12, 0.05, 0.12, 0.12, 0.07, 0.21, 0.08एवं 0.08 है तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 0.51, 1.78, 1.70, 0.10, 0.49, 0.99, 0.67, 1.88, 0.07 एवं 1.49 है जो तालिका मूल्य 90 स्वतन्त्रता अंश पर .05 तथा .01 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य कम है। अर्थात् स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत कला वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंB,C,E, G,H,L,N,O, Q_2एवंQ_3के सन्दर्भमें सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा जो अन्तर है वह वास्तविक न होकर संयोगवश है। अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।किन्तु व्यक्तित्व कारक M एवं Q_4 के सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.14 एवं 0.16 तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 2.11 एवं 2.38 है जो तालिका मूल्य 90स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक तथा .01 स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अतः 95%दशाओं में कह सकते है कि कला वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंM एवं Q_4 के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया। तथा व्यक्तित्व कारक A, F, I एवं Q1 के सन्दर्भ मेंप्राप्त मध्यमान अन्तर 0.08, 0.13, 0.06 एवं 0.09 है तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 3.46, 2.72 एवं 3.02 है जो तालिका मूल्य 90स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर तथा 0.1 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है।अतः 99% दशाओं में कह सकते है कि कला वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंA, F, I एवं Q_1 के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणोंM Q_4,A, F, I एवं Q_1 के सन्दर्भ में स्वीकृत हुई।इससे इंगित होता है किस्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत कला वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया। तथा जो अन्तर है वह संयोगवश न होकर वास्तविक है।

तालिका संख्या-1के अवलोकन से स्पष्ट है कि **स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतविज्ञान वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त** शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंB,G, H, I,L,M,N,O,Q_1,Q_2,Q_3एवं Q_4 के संदर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.32,0.07,0.27,0.22,0.15,0.30,0.12,0.34,0.17,0.13,0.07 एवं 0.28 है तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 0.50,0.35,1.82,0.08,1.22,0.94,0.13,1.06,1.86,0.04,0.87 एवं 0.80 है जो तालिका मूल्य 40 स्वतन्त्रता अंश पर .05 तथा .01 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य

कम है। अर्थात् स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरत विज्ञान वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणों B, G, H, I, L, M, N, O, Q_1, Q_2, Q_3एवं Q_4 सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा जो अन्तर है वह वास्तविक न होकर संयोगवश है। अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।किन्तु व्यक्तित्व कारक A एवं Fके सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.22 एवं 0.21 तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 2.32 एवं 1.97 है जो तालिका मूल्य 40स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक तथा .01 स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अतः 95%दशाओं में कह सकते है कि विज्ञान वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंA एवं Fके सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।तथा व्यक्तित्व कारक C एवं E के सन्दर्भ मेंप्राप्त मध्यमान अन्तर 0.16 एवं 0.19 है तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 28.77 एवं 2.91 है जो तालिका मूल्य 40स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर तथा 0.1 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है।अतः 99% दशाओं में कह सकते है कि विज्ञान वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणों C एवं E के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणोंA, F, C एवं E के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है।इससे इंगित होता है किस्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतविज्ञान वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर है वहसंयोगवश न होकर वास्तविक है।

तालिका संख्या-1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि **स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतवाणिज्य वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त** शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA, B, E, F, G, H, I, L, M, N, O, Q_1, Q_3एवं Q_4 के संदर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.41, 0.35, 0.37, 0.68, 0.23, 0.60, 0.58, 0.59, 0.29, 0.16, 0.54, 0.02, 0.26 एवं 0.31हैतथा प्राप्त टी-अनुपात मान0.85, 1.83, 1.20, 0.77, 0.76, 1.88, 1.07, 0.35, 1.01, 0.92, 1.61, 1.61, 0.71एवं 0.82है जो तालिका मूल्य 20 स्वतन्त्रता अंश पर .05 तथा .01 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य कम है। अर्थात् स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतवाणिज्य वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA, B, E, F, G, H, I, L, M, N, O, Q_1, Q_3एवं Q_4 सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा जो अन्तर है वह वास्तविक न होकर संयोगवश है। अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।किन्तु व्यक्तित्व कारक Q_2 के सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.18 तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 2.60 है जो तालिका मूल्य 20स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक तथा .01 स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अतः 95% दशाओं में कह सकते है किवाणिज्यवर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंQ_2 के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।तथा व्यक्तित्व कारक C के सन्दर्भ मेंप्राप्त मध्यमान अन्तर 0.17 तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 3.52 है जो तालिका मूल्य 20स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर तथा 0.1 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है।अतः 99% दशाओं में कह सकते है कि वाणिज्यवर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणों C के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणोंQ_2 एवंC के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है।इससे इंगित होता है किस्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतवाणिज्य वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गयातथा जो अन्तर है वहसंयोगवश न होकर वास्तविक है।

तालिका संख्या-1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि **स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतशिक्षा वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त** शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA,

B, F, G, H, I, L, N, O, $Q_{1,}$ $Q_{2,}Q_{3}$एवं Q_{4} के संदर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.41, 0.30, 0.30, 0.08, 0.16, 0.12, 0.15, 0.12, 0.21, 0.10, 0.10, 0.06 एवं 0.24हैतथा प्राप्त चरम अनुपात मान 1.06, 0.05, 1.60, 0.74, 1.97, 0.35, 1.33, 0.51, 0.65, 0.88, 0.09, 1.50एवं 1.11है जो तालिका मूल्य 64 स्वतन्त्रता अंश पर .05 तथा .01 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य कम है। अर्थात् स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतशिक्षा वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA, B, F, G, H, I, L, N, O, $Q_{1,}$ $Q_{2,}Q_{3}$एवं Q_{4} सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा जो अन्तर है वह वास्तविक न होकर संयोगवश है। अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।किन्तु व्यक्तित्व कारक C के सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.14 तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 2.31 है जो तालिका मूल्य 64स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक तथा .01 स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अतः 95% दशाओं में कह सकते है किशिक्षा वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुण C के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।तथा व्यक्तित्व कारक E एवं Mके सन्दर्भ मेंप्राप्त मध्यमान अन्तर 0.19एवं 0.16तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 3.96एवं 3.53 है जो तालिका मूल्य 64स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर तथा 0.1 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है।अतः 99% दशाओं में कह सकते है कि शिक्षा वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंE एवं Mके सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणोंC, E एवं Mके सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है।इससे इंगित होता है किस्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतशिक्षा वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गयातथा जो अन्तर है वहसंयोगवश न होकर वास्तविक है।

तालिका संख्या-1 के अवलोकन से स्पष्ट है कि **स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतअभियांत्रिकी वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त** शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA, B, C, E, F, G, H, L, N, $Q_{1,}$ एवंQ_{3}के संदर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर0.11, 0.29, 0.19, 0.20, 0.16, 0.14, 0.07, 0.13, 0.15, 0.14 एवं 0.12हैतथा प्राप्त टी-अनुपात मान1.62, 0.69, 0.48, 1.85, 0.25, 0.11, 1.83, 1.62, 0.10, 0.66एवं 0.35है जो तालिका मूल्य 46 स्वतन्त्रता अंश पर .05 तथा .01 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य कम है। अर्थात् स्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतअभियांत्रिकी वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणोंA, B, C, E, F, G, H, L, N, $Q_{1,}$ एवंQ_{3}सन्दर्भ में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया तथा जो अन्तर है वह वास्तविक न होकर संयोगवश है। अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।किन्तु व्यक्तित्व कारक OएवंQ_{4} के सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान अन्तर 0.34एवं 0.19 तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 2.06 एवं 2.08 है जो तालिका मूल्य 46स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक तथा .01 स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अतः 95% दशाओं में कह सकते है किअभियांत्रिकी वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंOएवंQ_{4} के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।तथा व्यक्तित्व कारक I, MएवंQ_{2} के सन्दर्भ मेंप्राप्त मध्यमान अन्तर 0.21, 0.18एवं0.14 तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 2.65, 4.11 एवं3.02है जो तालिका मूल्य 46स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर तथा 0.1 दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है।अतः 99% दशाओं में कह सकते है कि अभियांत्रिकी वर्ग के उच्च एवं निम्नसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणोंI, MएवंQ_{2} के सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों O,I, MएवंQ_{2} के सन्दर्भ में स्वीकृत हुई ।इससे इंगित होता है किस्ववित्तपोषित संस्थाओं में कार्यरतअभियांत्रिकीवर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों में उपर्युक्तव्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में सार्थक

अन्तर पाया गया।तथा जो अन्तर है वहसंयोगवश न होकर वास्तविक है।

सारणी – 2

स्ववित्तपोषित संस्थाओं केसामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त विभिन्न वर्गों के शिक्षकों के कुल व्यक्तित्व शीलगुणों की सार्थकता

सामाजिक-आर्थिक स्तर के आधार पर विभिन्न वर्ग	N	Mean	S.D.	S.E.	M.D	C.R./t	P
							0.05
उच्च सा0 आर्थिक स्तर कला वर्ग	46	125.3	9.12	0.20	3.49	4.29	<0.01
निम्न सा0 आर्थिक स्तर कला वर्ग	46	117.3	8080	0.19			
उच्च सा0 आर्थिक स्तरविज्ञान वर्ग	21	128.0	9.54	0.45	9.97	2.73	<0.01
निम्न सा0 आर्थिक स्तरविज्ञान वर्ग	21	119.4	10.87	0.52			
उच्च सा0 आर्थिक स्तरवाणिज्य वर्ग	11	109.1	8.90	0.81	14.8	1.95	>0.05
निम्न सा0 आर्थिक स्तरवाणिज्य वर्ग	11	101.6	9.17	0.83			
उच्च सा0 आर्थिक स्तरशिक्षा वर्ग	33	124.7	7.30	0.22	5.60	3.20	<0.01
निम्न सा0 आर्थिक स्तरशिक्षा वर्ग	33	117.1	11.4	0.35			
उच्च सा0 आर्थिक स्तरअभियांत्रिकी वर्ग	24	115.0	6.24	0.26	3.25	5.11	<0.01
निम्न सा0 आर्थिक स्तरअभियांत्रिकी वर्ग	24	105.7	6.24	0.26			

सारणी -2 के अवलोकन से स्पष्ट है कि सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च कला वर्ग एवं निम्न कला वर्ग के शिक्षकों का प्राप्त मध्यमान 3.49 है तथा चरम अनुपात मान 4.29 है जो 90 स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर से प्राप्त मूल्य अधिक है अर्थात् सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च कला वर्ग एवं निम्न कला वर्ग के शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर पाया गया। इसके साथ ही उच्चविज्ञान वर्ग एवं निम्न विज्ञान वर्ग के शिक्षकों का प्राप्त मध्यमान 9.97 है तथा चरम अनुपात मान 2.73 है जो 40 स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर के तालिका मूल्य 2.02 तथा .01 स्तर केतालिका मूल्य 2.71 दोनों स्तर से अधिक है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च विज्ञान वर्ग एवं निम्न विज्ञान वर्ग के शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर पाया गया।

किन्तु उच्च वाणिज्य वर्ग एवं निम्न वाणिज्य वर्ग के शिक्षकों का प्राप्त मध्यमान अन्तर 14.84 है तथा प्राप्त टी-अनुपात मान 1.95 है जो 20 स्वतन्त्रता अंश पर .05

स्तरकेतालिका मूल्य 2.09 तथा 0.1 स्तर के तालिका मूल्य 2.84दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य 2.84दोनों स्तर से प्राप्त मूल्य कम है अर्थात् सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च वाणिज्य वर्ग एवं निम्न वाणिज्य वर्ग के शिक्षकों मेंव्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।जबकिउच्चशिक्षा वर्ग एवं निम्न शिक्षा वर्ग के शिक्षकों का प्राप्त मध्यमान अन्तर 5.60 है तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 3.20 है जो 64 स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर के तालिका मूल्य 2.00तथा .01 स्तर केतालिका मूल्य 2.65 दोनों स्तर केप्राप्त मूल्य से अधिक है।अर्थात् सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त उच्च शिक्षा वर्ग एवं निम्न शिक्षा वर्ग के शिक्षकों में व्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर पाया गया।

इसी प्रकार उच्च अभियांत्रिकी वर्ग एवं निम्न अभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षकों का प्राप्त मध्यमान अन्तर 3.25 है तथा प्राप्त चरम अनुपात मान 5.11 है जो 46 स्वतन्त्रता अंश पर .05 स्तर के तालिका मूल्य 2.02 तथा .01 स्तर केतालिका मूल्य 2.69 दोनों स्तर केप्राप्त मूल्य से अधिक है। अर्थात् अभियांत्रिकी वर्ग के उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त शिक्षकों के व्यक्तित्व शीलगुणों में सार्थक अन्तर पाया गया।

अतः परिकल्पना उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त कला, विज्ञान, शिक्षा एवंअभियांत्रिकी वर्ग आदि विभन्न वर्गों के शिक्षकोंके कुल व्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में स्वीकृत की जाती है तथा निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्त वाणिज्य वर्गके शिक्षकों के कुल व्यक्तित्व शीलगुणों के सन्दर्भ में अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

1. उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्तकला वर्ग के शिक्षकों के प्रत्येक व्यक्तित्व कारकों में से M Q_4, A, F, I एवं Q_1 में सार्थक अन्तर पाया गया है।M एवं Q_4 के सन्दर्भ मेंप्राप्त चरम अनुपात मान .05 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च कला वर्ग के शिक्षक निम्न कला वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक काल्पनिक, अनुपस्थित, विचरों में लीन रहने वाले, निराशावादी, कोमल तथा दयावृत्ति वाले होते हैं।A, F, I एवं Q_1 के सन्दर्भ मेंप्राप्त चरम अनुपात मान .01 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च कला वर्ग के शिक्षक निम्न कला वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक दयालु, सहयोगी, सुगम्य, स्वाभाविक, लापरवाह, संवेदनशील, सभ्य, व्यावहारिक, क्रान्तिक तथा परिवर्तन के लिए तैयार रहते है।
2. उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्तविज्ञान वर्ग के शिक्षकों के प्रत्येक व्यक्तित्व कारकों में से A, F, C एवं Eके सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है।A एवं Fके सन्दर्भ मेंप्राप्त टी अनुपात मान .05 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च विज्ञान वर्ग के शिक्षक निम्न विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक उच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नेहपूर्ण, उत्तेजित, दयालु, प्रसन्नचित तथा प्रभावपूर्ण होते है।C एवं E कारकोंके सन्दर्भ मेंप्राप्त टी-अनुपात मान .01 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च विज्ञान वर्ग के शिक्षक निम्न विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक संवेगातम्क रूप से स्थिर, प्रसन्नचित, प्रभावशाली, स्वतन्त्र व अड़ियल होते है।
3. उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्तवाणिज्य वर्ग के शिक्षकों के प्रत्येक व्यक्तित्व कारकों में से Q_2 एवं Cके सन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है।Q_2कारक मेंप्राप्त टी अनुपात मान .05 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च वाणिज्य वर्ग के शिक्षक निम्न वाणिज्य वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक साधन सम्पन्न एवं अपने निर्णय को प्राथमिकता देने वाले होते है।C कारक के सन्दर्भ मेंप्राप्त टी अनुपात मान .01 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च वाणिज्य वर्ग के शिक्षक निम्न वाणिज्य वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिकसंवेगातम्क रूप से स्थिर, प्रसन्नचित, प्रभावशाली, मनोमौजी प्रवृत्ति एवं शीघ्र निर्णय करने वाले होते है।

4. उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्तशिक्षा वर्ग के शिक्षकों के प्रत्येक व्यक्तित्व कारकों में से C, E,एवं M केसन्दर्भ में सार्थक अन्तर पाया गया है।C कारक मेंप्राप्त चरम अनुपात मान .05 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च शिक्षा वर्ग के शिक्षक निम्न शिक्षा वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक संवेगातम्क रूप से स्थिर, प्रसन्नचित, मनोमौजी प्रवृत्ति एवं शीघ्र निर्णय करने वाले होते है।E, एवं M कारकों के सन्दर्भ मेंप्राप्त चरम अनुपात मान .01 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च शिक्षा वर्ग के शिक्षक निम्न शिक्षा वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक उत्साहपूर्ण, स्वाभाविक, सक्रिय तथा प्रभावपूर्ण विचारों में लीं रहने वाले, अव्यावहारिक तथा सामूहिक क्रिया कलापों में भाग लेने वाले होते है।
5. उच्च एवं निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर से युक्तअभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षकों के प्रत्येक व्यक्तित्व कारकों में से O, Q_4, I, M एवं Q_2 में सार्थक अन्तर पाया गया है।O एवं Q_4 कारकों मेंप्राप्त टी अनुपात मान .05 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च अभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षक निम्न अभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक परिश्रमी, तथा चिन्तितं, तनावग्रस्त,निराशावादी, उच्च महत्वकांक्षी, कोमल तथा दयावृत्ति वाले होते हैं।I, M एवं Q_2 कारकों के सन्दर्भ मेंप्राप्त टी अनुपात मान .01 स्तर पर सार्थक है अर्थात् उच्च अभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षक निम्न अभियांत्रिकी वर्ग के शिक्षकों की तुलना में अधिक संवेदनशील, सभ्य, अंर्तज्ञात, विचारों में लीन रहने वाला तथा अव्यवहारिक, साधन सम्पन्न एवं निर्णय को प्राथमिकता देनेवाले होते है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *मित्तल, सविता (2007) ने प्राथमिक प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के व्यक्तित्व शीलगुणों का कक्षा कक्ष समायोजन के परिपेक्ष में एक अध्ययन,एम.एड. अप्रकाशित लघु शोध प्रबंध दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट आगरा ।*
2. *मैरलिन, जेम्स हैविन (2007), ने व्यक्तित्व शील गुणों की भूमिका का व्यापक रूप से अध्ययन करने के लिए मनोविज्ञान के छात्रों की अभिप्रेरणात्मक प्रक्रियाओं पर सचेतनता स्नायुवाद के प्रभाव, डिजरटेशन एवस्ट्रेक्ट इण्टरनेशनल, वॉल्यूम 65, नं. 8, फरवरी 2007 ।*
3. *मिलिसा, जोहाना (2005), ने मध्यवर्ती आयु की महिला विद्यार्थियों के व्यक्तित्व शील गुणों सामाजिक तथा शैक्षिक कारकों का अध्ययन, डिजरटेशन एवस्ट्रेक्ट इण्टरनेशनल, वॉल्यूम 63, नं. 8, फरवरी 2006 ।*
4. *उपाध्याय, हरिशंकर (2002),राष्ट्रीय कैडेट कोर के उच्च औसत एवं निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर युक्त अनुस्नातक छात्र-छात्राओ के व्यक्तित्व शीलगुणों एवं मूल्यों का अध्ययन, अप्रकाशित पी-एच.डी. थीसिस, आगरा वि.वि. आगरा पृ.सं. 60-83।*
5. *राना, वी.के.(1990),स्नातक छात्र-शिक्षकों की व्यक्तित्व विशेषताओं पर विशेषीकरण के प्रभाव का अध्ययन, इंडियन एजुकेशनल रिव्यू 25(1) 106-108।*
6. *खान(1987),शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों और साधारण शिक्षा के शिक्षकों की व्यक्तित्व विशेषताओं का तुलनात्मक अध्ययन, पी-एच.डी. एजुकेशन नागपुर यूनि., नागपुर।*
7. *वरुण, एम.आर.(1985), क्रियात्मक शिक्षण प्रशिक्षणार्थियों की व्यक्तित्व विशेषताओं का उनकी शिक्षण उपयुक्ता के संबंध में अध्ययन, पी-एच.डी. शिक्षा, लखनऊ यूनिवर्सिटी।*